जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

14 जुलाई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

यूजीसी-एचआरडीसी, जामिया ने कोविड-19 के लिए आपदा प्रबंधन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कोर्स शुरू किया

यूजीसी-ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (यूजीसी-एचआरडीसी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने आज 'डिज़ाज़स्टर मैनेजमेंट फाॅर कोविड-19' पर तीन दिवसीय ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किया, जो 16 जुलाई, 2020 तक जारी रहेगा।

जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर इसके उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि थीं। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें कई रिसोर्स पर्सन शामिल थे।

यूजीसी-एचआरडीसी के निदेशक प्रो अनीसुर रहमान ने मुख्य अतिथि, रिसोर्स पर्सन्स और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और मौजूदा हालात में इस कोर्स की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी।

प्रो अख़्तर ने, कोविड-19 को इस सदी की सबसे भीषण आपदा करार देते हुए कहा कि इस महामारी की चपेट में आने वालों की संख्या हर मिनट बढ़ रही है और इसके स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, शासन, कानूनी, सामाजिक एवं आर्थिक जैसे विभिन्न कोण हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर बार-बार चर्चा करने की ज़रूरत है और ऐसे विचार-विमर्शों से निश्चित रूप से उपयोगी बातें सामने आएंगी।

उन्होंने इस कोर्स की मेजबानी के लिए यूजीसी-एचआरडीसी के निदेशक और जामिया को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसके रिसोर्स पर्सन्स में शिक्षाविदों के साथ ही, वास्तविक हालात से निपट रहे आईएएस और आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं।

उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्रों की शुरुआत हुई, जिसमें डॉ अनिल कुमार सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त) का पहला व्याख्यान हुआ। उन्होंने कहा कि हर आपदा में एक आश्चर्य का तत्व होता है और हमें 'अप्रत्याशित' चीज़ों के लिए तैयार रहना चाहिए।

डॉ सिन्हा ने कहा, कोविड-19 के कारण दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं लॉकडाउन से प्रभावित हुई हैं और आने वाले दिनों में स्थिति और खराब होने वाली है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि किसी भी आपदा से निपटने के लिए एसडीएमए और एनडीएमए से कहीं ज़्यादा, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की भूमिका कारगर होती है, क्योंकि वह सभी स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के साथ जमीनी स्तर पर जुड़ी रहती है।

डॉ सिन्हा के सत्र के बाद डॉ परवेज हयात, आईपीएस (सेवानिवृत्त) का सत्र शुरू हुआ जिसका शीर्षक था - 'भारतीय परिप्रेक्ष्य और वैश्विक परिदृश्य में कोविड-19 से निपटना'। जेएनयू के प्रो पी.के. जोशी 'कोविड-19: प्रकृति से छेड़-छाड़ से निकली महामारी' विषय पर अपनी बात रखी।

जेएनयू के प्रो मिलाप पुनिया दिन के अंतिम सत्र में रिसोर्स पर्सन थे, जिनके व्याख्यान का शीर्षक था 'सामाजिक विज्ञान के नजरिए से कोविड-19 के अज्ञात पैटर्न को समझना'।

कल, एनआईडीएम के प्रो अनिल गुप्ता, फोर्टिस एस्कोर्ट हास्पिटल के मनोचिकित्सक डा विशाल छाबड़ा के व्याख्यान होंगे। अन्य दो सत्रों में जेएनयू की डॉ सुनीता रेड्डी और एशियन ला कालेज की डा प्रियाय ए सोंधी कोविड-19 से उपजे विभिन्न विषयों पर रोशनी डालेंगी।

कोविड-19 के कारण बना इस वैश्विक संकट को कैसे दूर किया जाए, यह हर किसी की चिंता का विषय बना हुआ है। इन चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, इस कोर्स के अंतिम दिन कई संबंधित मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक